वशि्व के प्रवासयिों की धार्मकि संरचना पर रपिोर्ट

प्रलिमि्स के लयि:

वशि्व के प्रवासयिों की धार्मकि संरचना, उत्प्रवासी, अप्रवासी, धार्मकि अल्पसंख्यक, खाड़ी सहयोग परषिद (GCC), मध्य पूर्व-उत्तरी अफ्रीका, ब्रटिशि भारत, प्रेषण, सकल घरेलू उत्पाद (GDP

मेन्स के लयि:

वैश्वीकृत वशि्व में प्रवास के कारण, परणिाम और महत्त्व।

स्रोत : बज़िनेस स्टैण्डर्ड

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में प्यू रसिर्च सेंटर ने संयुक्त राष्ट्र और 270 जनगणनाओं एवं सर्वेक्षणों के डेटा के आधार पर **वशि्व के प्रवासयिों की धार्मकि संरचना(The Religious Composition of the World's Migrants)** शीर्षक से एक रपिोर्ट प्रकाशति की

- वर्ष 2020 में 280 मलियिन से अधकि व्यक्तयिा वशि्व की आबादी का 3.6%, **अंतर्राष्ट्रीय प्रवासयिों** के रूप में रह रहे थे
- धर्म, प्रवासन में एक महत्त्वपूर्ण भूमकिा नभिाता है, जो मातृभूमसिे प्रस्थान और गंतव्य देश में स्वागत दोनों को प्रभावति करता है।

रपिोर्ट के मुख्य नष्किर्ष क्या हैं?

- **हदिू प्रवासयिों के बीच रुझान**: वर्ष 2020 में **भारत हदिू प्रवासयिों (बाहरी प्रवासयिों) और अप्रवासयिों (अंदर-प्रवासयिों)** दोनों के लयि शीर्ष देश के रूप में उभरा।
  - भारत में जन्मे **7.6 मलियिन हदिू वदिेश** में रह रहे थे।
  - अन्य देशों में जन्मे लगभग **3 मलियिन हदिू** भारत में रह रहे थे।
- **ईसाइयों के बीच रुझान**: वैश्वकि प्रवासी आबादी में सबसे बड़ा हस्सिा ईसाईयों का है, जनिकी संख्या 47% है।
- **भारत में धार्मकि अल्पसंख्यकों के बीच प्रवास के रुझान:** भारतीय प्रवासयिों में धार्मकि अल्पसंख्यकों की संख्या अनुपातहीन रूप से अधकि है।
- **भारत मुस्लमि प्रवासयिों का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत है,** जहाँ 6 मलियिन मुस्लमि प्रवासी रहते हैं, जनिमें से अधकिांश संयुक्त अरब अमीरात (1.8 मलियिन), सऊदी अरब (1.3 मलियिन) और ओमान (720,000) में रहते हैं।
- **मुस्लमि भारत में** जन्मे सभी प्रवासयिों का 33% हस्सिा हैं, लेकनि भारत की आबादी का केवल 15% हस्सिा हैं।
- **GCC देशों में रुझान:** खाड़ी सहयोग परषिद (GCC) देशों में प्रवासी जनसंख्या **वर्ष 1990 के बाद से 277% बढ़ी है।**
  - GCC प्रवासयिों में अधकिांश **मुसलमान** (75%) हैं, जबकि हदिू और ईसाई क्रमशः 11% व 14% हैं।
  - GCC देशों (बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब, यूएई) में वर्ष 2020 तक **9.9 मलियिन भारतीय प्रवासी** हैं।
  - **वैश्वकि प्रवासन के रुझान:** वर्ष 1990 से 2020 तक **अंतर्राष्ट्रीय प्रवासयिों की संख्या में 83% की वृद्धि हुई है,** जो वैश्वकि जनसंख्या वृद्धि 47% से काफी अधकि है।
- प्रवासी औसतन **2,200 मील की दूरी तय करते हैं।**
- **धार्मकि संरेखण और प्रवासन पैटर्न:** प्रवासी अक्सर उन देशों में स्थानांतरति होते हैं, जहाँ उनका धर्म मूल देश की आबादी के धर्म के साथ संरेखति होता है।
- यह प्रवृत्ति **सांस्कृतकि और धार्मकि परचिय** से प्रेरति हो सकती है, जो गंतव्य के चयन तथा एकीकरण प्रक्रयिा दोनों को प्रभावति करती है।

//

Christians, Muslims and Jews make up higher shares of migrants than of the overall population

% of global and migrant populations who are ...

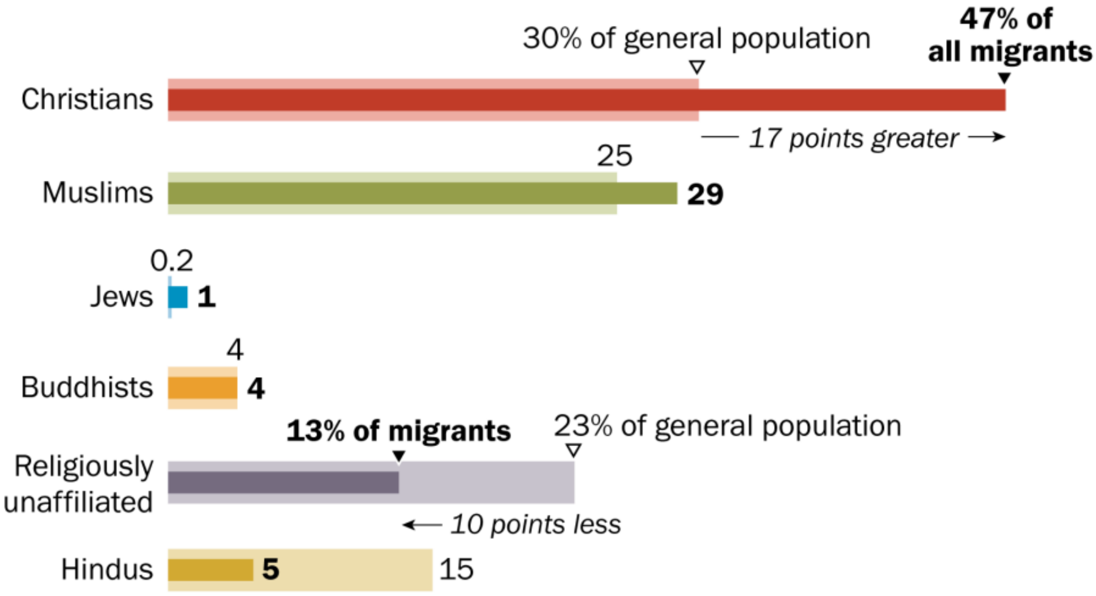

हिंदू प्रवासन पैटर्न और रुझान क्या है?

- **वैश्विक स्तर पर कम प्रतिनिधित्व: हिंदू** प्रवासी सभी अंतरराष्ट्रीय प्रवासियों का एक छोटा हिस्सा **(5%)** हैं, जिनमें से **वर्ष 2020 तक 13 मिलियन हिंदू** अपने जन्म के देश से बाहर रह रहे हैं।
- यह **वैश्विक जनसंख्या में** उनके अनुपात **(15%)** से काफी कम है।
- **तय की गई दूरी: हिंदू** प्रवासी अधिक लंबी दूरी की यात्रा करते हैं, जो उनके मूल देश से औसतन **3,100 मील** है, जबकि सभी प्रवासियों के लिये **वैश्विक औसत 2,200 मील** है।
- यह एशिया में उत्पन्न सभी धार्मिक समूहों के बीच तय की गई सबसे लंबी औसत दूरी है।
- **हिंदू प्रवासियों के गंतव्य क्षेत्र:** [एशिया-प्रशांत क्षेत्र] में **हिंदू प्रवासियों** की सबसे बड़ी हिस्सेदारी **(44%)** है, इसके बाद **मध्य पूर्व-उत्तरी अफ्रीका (24%) और उत्तरी अमेरिका (22%)** का स्थान है।
- इसका एक छोटा हिस्सा **यूरोप (8%)** में रहता है तथा लैटिन अमेरिका या उप-सहारा अफ्रीका में बहुत कम लोग रहते हैं।

Regions where Hindu migrants now live and where they came from

% of all Hindu migrants living/born in ...

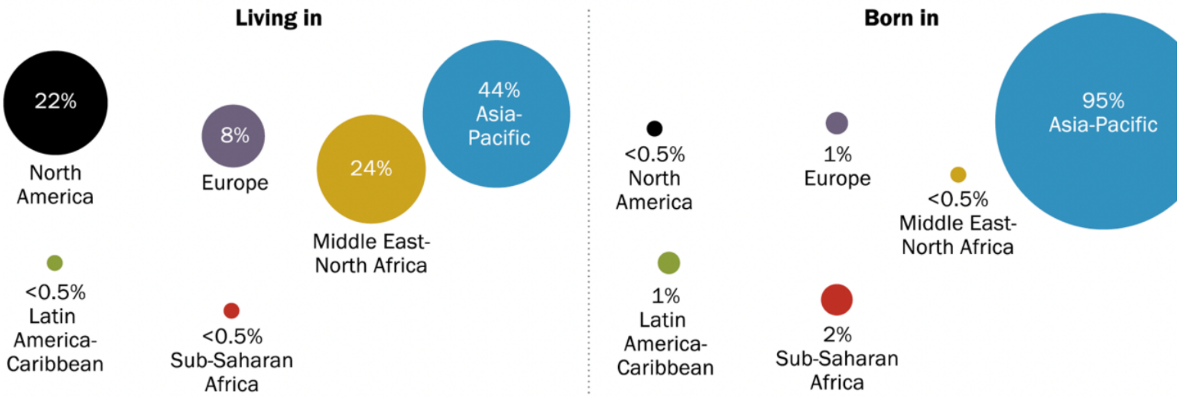

- **हिंदू प्रवासियों के मूल क्षेत्र: हिंदू प्रवासियों का विशाल बहुमत (95%) एशिया-प्रशांत क्षेत्र से** आता है, विशेष रूप से भारत से जहाँ विश्व के **हिंदू प्रवासियों का 57% हिस्सा** रहता है तथा वैश्विक हिंदू **आबादी का 94% हिस्सा यहीं** रहता है।
    - अन्य महत्त्वपूर्ण स्रोतों में **बांग्लादेश (हिंदू प्रवासियों का 12%) और नेपाल (11%)** शामिल हैं।
- हिंदू प्रवासियों के लिये भारत एक प्रमुख गंतव्य है, जहाँ **सभी हिंदू प्रवासियों का 22% (3 मिलियन)** निवास करता है।

    - इसका मुख्य कारण ऐतिहासिक घटनाएँ हैं, विशेषकर वर्ष 1947 में **ब्रिटिश भारत** का विभाजन और उसके बाद पाकिस्तान तथा बांग्लादेश जैसे अपने नए देशों में उनका उत्पीड़न।
- **हिंदू प्रवास के लिये उल्लेखनीय देश शामिल:**
    - **भारत से अमेरिका:** हिंदुओं के लिये सबसे **आम प्रवास मार्ग भारत से अमेरिका** है, जहाँ 1.8 मिलियन हिंदू इस मार्ग से जाते हैं। ये प्रवासी अक्सर रोज़गार, उच्च शिक्षा और आय स्तर की तलाश में होते हैं।
    - **बांग्लादेश से भारत:** दूसरा सबसे **आम मार्ग बांग्लादेश से भारत** की ओर प्रवास है, जिसमें **1.6 मिलियन हिंदू ऐतिहासिक, सामाजिक और आर्थिक कारकों** से प्रेरित होकर इस मार्ग पर आते हैं।

प्रवासी समुदाय अपने देश में विकास को कैसे बढ़ावा देते हैं?

- **पर्याप्त वित्तीय प्रवाह:** प्रवासी समुदाय धन भेजकर अपने गृह देशों में महत्त्वपूर्ण योगदान देते हैं।
    - वर्ष 2022 में उभरते और विकासशील देशों के प्रवासियों ने 430 बिलियन अमेरिकी डॉलर भेजे, जो इन देशों को अन्य देशों या अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों से प्राप्त वित्तीय सहायता से तीन गुना अधिक है।
- **सकल घरेलू उत्पाद पर प्रभाव:** कई देशों में **सकल घरेलू उत्पाद (GDP)** में धन प्रेषण का एक बड़ा हिस्सा होता है, जैसे किताजिकिस्तान में 37%, नेपाल में 30% तथा टोंगा, लाइबेरिया व हैती में लगभग 25
- **प्रवासी निवेश:** प्रवासी प्रायः स्वदेश के व्यवसायों और सरकारी बॉण्ड में निवेश करते हैं, जिससे वित्तीय पूंजी बढ़ती है
- **ज्ञान अंतरण और विशेषज्ञता:** प्रवासी विदेश में अर्जित **ज्ञान और विशेषज्ञता** को अपने देश/स्वदेश में वापस स्थानांतरित करते हैं।
    - यह शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और बेहतर व्यवसाय तथा शासन पद्धतियों को विकसित करके उत्पादकता को बढ़ा सकता है।
- **ज्ञान अंतराल को समाप्त करना:** प्रवासी सदस्य अपने **कौशल, वैश्विक संपर्कों** और **स्थानीय रीति-रिवाजों की समझ** का उपयोग स्वदेश के व्यवसायों को चुनौतियों से निपटने, दक्षता में सुधार करने तथा नए बाज़ारों में विस्तार करने में मदद करने के लिये करते हैं।
    - उदाहरण के लिये अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियों में भारतीय अधिकारियों ने भारत को आउटसोर्सिंग की सुविधा प्रदान की है।

निष्कर्ष

प्रवास और प्रवासी समुदाय **धन प्रेषण, निवेश और ज्ञान अंतरण के माध्यम से स्वदेश के विकास को बढ़ावा** देते हैं। इन लाभों को अधिकतम करने के लिये सरकारों को **सुदृढ़ प्रवासी नेटवर्क बनाना** चाहिये, निवेश बाधाओं को कम करना चाहिये, **प्रेषण लागत में कटौती** करनी चाहिये और प्रवासी-संचालित पहलों का समर्थन करना चाहिये। ये रणनीतियाँ पूंजी प्रवाह, उत्पादकता और सतत् विकास को बढ़ाएँगी।

??????? ?????? ???????:

प्रश्न. चर्चा कीजिये कि प्रवास और प्रवासी समुदाय अपने गृह देशों की आर्थिक वृद्धि और विकास में किस प्रकार योगदान करते हैं

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न (PYQ)

प्रश्न. 'अमेरिका एवं यूरोपीय देशों की राजनीति और अर्थव्यवस्था में भारतीय प्रवासियों को एक निर्णायक भूमिका निभानी है'। उदाहरणों सहित टिप्पणी कीजिये। (2020)

प्रश्न. दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों की अर्थव्यवस्था एवं समाज में भारतीय प्रवासियों को एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभानी है। इस संदर्भ में दक्षिण-पूर्व एशिया में भारतीय प्रवासियों की भूमिका का मूल्यनिरूपण कीजिये।(2017)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/the-religious-composition-of-the-world-s-migrants-report